सीएम के निर्देश के बाद मांग के अनुरूप आपूर्ति की व्यवस्था की गई

यूपी को आज से दो हजार मेगावाट ज्यादा बिजली

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। भीषण गर्मी के बीच बेतहाशा बढ़ी मांग के चलते प्रदेश के गांवों, कस्बों और तहसील मुख्यालयों पर सात से नौ घंटे तक बिजली की कटौती जारी है। राहत की बात यह है कि पावर कारपोरेशन प्रबंधन की कोशिशों से बारा की 660 मेगावाट क्षमता की यूनिट से बिजली उत्पादन शुरू हो गया। रविवार से और 2000 मेगावाट बिजली की उपलब्धता बढ़ने के आसार हैं। शनिवार को राज्य में बिजली की अधिकतम मांग 23000 मेगावाट रही जबकि उपलब्धता 19366 मेगावाट थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद पावर कारपोरेशन प्रबंधन द्वारा शुरू किए गए प्रयासों से रविवार से सिक्किम एवं हिमाचल प्रदेश से 400 मेगावाट, बैकिंग (पूर्व में दी गई बिजली के बदले बिजली लेने की व्यवस्था) के तहत 325 मेगावाट बिजली मध्यप्रदेश से और 283 मेगावाट राजस्थान से मिलने की उम्मीद है। बिडिंग के जरिए भी 430 से 950 मेगावाट तक बिजली मिलने की उम्मीद की जा रही है।

हर सेक्टर से शनिवार को मिली कुछ अधिक बिजली: शनिवार को राज्य को अपनी उत्पादन इकाइयों के साथ ही सेंट्रल सेक्टर, आईपीपी से कुछ अधिक बिजली उपलब्ध हुई। सेंट्रल सेक्टर से 500 मेगावाट वृद्धि के साथ 8500 मेगावाट, उ.प्र. विद्युत उत्पादन निगम से 300 मेगावाट की वृद्धि के साथ 4300 मेगावाट, आईपीपी से 700 मेगावाट वृद्धि के साथ 6200 मेगावाट बिजली राज्य को मिली। वहीं हाइड्रो से शुक्रवार को 600 मेगावाट बिजली मिली थी जो शनिवार को घटकर 366 मेगावाट पर आ गई। उ.प्र. पावर कारपोरेशन के चेयरमैन एम. देवराज के मुताबिक लगातार कोशिशों से बिजली की उपलब्धता में कुछ सुधार होना शुरू हुआ है। रविवार से 1000 मेगावाट अतिरिक्त बिजली मिलने लगेगी। हरदुआगंज की 660 मेगावाट की बंद यूनिट से भी उत्पादन शुरू हो जाने की उम्मीद है।

शनिवार को नई दिल्ली में मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन में सीएम योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए।

पिछली सरकारें दोषी

झांसी। ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने बिजली संकट पर पिछली सरकारों को दोषी ठहराया। कहा कि पिछली सरकारों में बिजली व्यवस्था पर काम हुआ होता, तो आज यह हालत देखने को न मिलते। › ब्योरा P04

भीषण गर्मी जारी, बांदा में पारा 47.2 डिग्री

लखनऊ। राज्य में प्रचण्ड गर्मी का प्रकोप शनिवार को भी जारी रहा। बांदा लगातार दूसरे दिन राज्य में सबसे गर्म रहा। शनिवार को बांदा का अधिकतम तापमान 47 .2 और प्रयागराज 46 .1 डिग्री के साथ दूसरे स्थान पर रहा। › बौछारों के आसार P06

23 हजार मेगावाट की मांग रही शनिवार को

19 हजार मेगावाट बिजली उपलब्ध कराई निगम ने

अप्रैल की गर्मी ने 122 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली। इस साल मई-जून की गर्मी मार्च-अप्रैल में ही आ गई और यह सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर रही है। मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ. एम मोहपात्रा ने कहा कि अप्रैल में गर्म हवाओं के कारण देश के मध्य व उत्तर पश्चिमी हिस्सों में दर्ज तापमान पिछले 122 सालों में सबसे अधिक रहा। उत्तर पश्चिम हिस्से में औसत अधिकतम तापमान 35 .90 और मध्य में 37 .78 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, मार्च और अप्रैल में मध्य हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक रहा। दिल्ली, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश में तापमान चार डिग्री अधिक दर्ज किया गया। मार्च 2022 देश के साथ-साथ उत्तर पश्चिम भारत के लिए 122 वर्षों में सबसे गर्म था। उत्तर-पूर्व भारत के ज्यादातर हिस्सों में मई में पारा सामान्य से अधिक जबकि शेष में सामान्य से कम रहने की संभावना है।